Name of Scholar	:	SHALU SURI
Name of Supervisor	:	Prof. M.P. SHARMA
Department /Faculty	:	Hindi Department /Faculty of Humanities and Languages
Title of the Thesis	:	Hindi Samachar Channelon Ki Bhasha Ka Adhyayan (T.V. Par December 2008 Se May 2009 tak ke prasaran ke Sandarbh mein)

शोध–सार

हिन्दी समाचार चैनलों की भाषा जनसाधारण की भाषा है । जनसंचार माध्यमों में बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाता है परन्तु अब इन माध्यमों में बोलचाल की भाषा के विशिष्ट रूप से दर्शन होते हैं । जहॉ बोलचाल की भाषा सामान्य आकृत्रिम एवं अनौचारिक होती है वहीं जनसंचार की भाषा विशिष्ट कृत्रिम एवं औपचारिक होती है । प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में मुख्यतः समाचार चैनलों की भाषा में आए परिवर्तन का अध्ययन किया गया है । समाचार चैनलों की भाषा में आए परिवर्तन का एक कारण बाज़ारवाद है । इसी कारण चैनलों पर 'मनोरंजक' तत्व हावी हो गया है । भूमंडलीकरण के प्रभावस्वरूप जहॉ पूरा विश्व विश्वग्राम में परिवर्तित हो गया है वही बाजारवाद के प्रभावस्वरूप ये विश्वग्राम (समाज) बाज़ार के, समाचार चैनल–उत्पादक के, समाचार–उत्पाद के तथा दर्शक–उपभोक्ता के रूप में परिवर्तित हो गए हैं । यहीं कारण है कि हिन्दी समाचार चैनल समाचारों का निर्माण करने लगे हैं ।

समाचार चैनल देश–विदेश में घट रही घटनाओं से लोगों को परिचित कराते है । निजी समाचार चैनलों के आगमन से तो जनता को चींटी से कुंजर तक के विषयों की सूचना घर बैठे प्राप्त हो जाती है । परन्तु ये चैनल धीरे–घीरे बाजार से इतने प्रभावित हो रहे है कि न केवल इनके विषय बल्कि भाषा भी परिवर्तित हो गई है । दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सामान्य समाचारों को भी ऐसी रोचक भाषा में प्रस्तुत किया जाने लगा है कि वह मनोरंजक बन जाते हैं ।

हिन्दी समाचार चैनलों में विभिन्न प्रकार के समाचारों का प्रयोग होता है । ब्रेकिंग न्यूज में गतिशील, तेज़ आवाज़ (हाई पिच), शब्दों–वाक्यों की आवृत्ति, वाक्यों का असावधानीपूर्वक प्रयोग एवं पार्श्व संगीत से युक्त चीख़ती–चिल्लाती भाषा

का प्रयोग किया जाता है । फटाफट खबरों की भाषा में गतिशीलता, संक्षिप्तता, नवीनता, धारा–प्रवाह शैली, अस्पष्टता एवं द्वयर्थकता के दर्शन होते हैं । सनसनीखेज़ कार्यक्रमों एवं स्टिंग ऑपरेशन की भाषा अनावश्यक बलाघात, नाटकीयता, आक्रामकता, अत्यधिक तेज़ आवाज़ एवं विशिष्ट विशेषणों से युक्त होती है । टिकर में सरल एवं संक्षिप्त वाक्यों का प्रयोग किया जाता है । इनमें प्रायः सहायक क्रियाओं का प्रयोग नहीं किया जाता । मनोंरजन समाचारों की भाषा रोचक, आकर्षक, कहीं–कहीं अनौपचारिक शैली, नाटकीयता एवं अस्पष्टता से युक्त होती है । इनमें अंग्रेजी भाषा के शब्दों एवं वाक्यों का प्रयोग किया जाता है । इसके साथ ही इन चैनलों पर व्यंग्यात्मक समाचार कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाने लगे है । इनकी भाषा ध्वन्यात्मक, अस्पष्ट, पात्रानुकूल, विस्मयादि्बोधक शब्दों एवं गीतों से युक्त होती है जो वैयक्तिक, सामाजिक एवं राजैतिक व्यंग्यों को पैना बनाती है ।

हिन्दी समाचार चैनलों में शैलीगत युक्तियों एवं भाषागत निर्मितियों के प्रयोग के अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि इन चैनलों की भाषा में न केवल बोलचाल की, बल्कि साहित्यिक, फिल्मों, गीतों, विज्ञापनों आदि की भाषा भी प्रयुक्त की जाने लगी है । यदि सरकारी और निजी समाचार चैनलों की भाषा के अंतर की बात की जाए तो नाटकीयता, आक्रामकता, नवीनता, उच्चारण एवं विशिष्टता के आधार पर निजी समाचार चैनल, सरकारी समाचार चैनल से बहुत अलग नज़र आते है। ये निजी समाचार चैनल भी परस्पर तुलना करने पर भाषागत एवं स्वरूपगत आधार पर भिन्न है । 'एनडीटीवी इंडिया टीवी' और 'जी न्यूज' की भाषा अन्य निजी समाचार चैनलों से सामान्य तथा 'इडिया टीवी' 'आईबीएन 7' एवं 'न्यूज 24' की भाषा अन्य निजी चैनलों से असामान्य है । 'आज तक', 'स्टार न्यूज' एवं 'एमएच–1 न्यूज चैनल की भाषा को सामान्य एवं असामान्य के मध्य का माना जा सकता है । जनसर्वेक्षण से प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर भी 'एनडीटीवी इडिया' चैनल बोलचाल की दृष्टि से प्रथम माना गया है तथा यही वह चैनल है जो भाषा की दृष्टि से कई बातों में 'डीडी न्यूज' के समकक्ष ठहरता है ।

अतः वर्तमान युग में हिन्दी समाचार चैनलों की भाषा विषय के अनुरूप विविध प्रकार की होती है । साथ ही प्रत्येक चैनल स्वयं को बाजार में विजयी बनाने के लिए नए–नए प्रयोग करता है इसलिए इन चैनलों की भाषा भी परस्पर भिन्न होती है । हिन्दी समाचार चैनलों की भाषा विभिन्न गुणों एवं दोषों से युक्त है । चैनलों को अपनी आलोचनाओं में से गुणों को स्वीकार करने के साथ–साथ अपने दोषों के प्रति जागरूक होते हुए इन्हें दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए ।